पत्र सूचना कार्यालय

भारत सरकार

****

भारत वैश्विक वित्तीय सेवा बाजार का केंद्र बन सकता है: श्री धर्मेन्द्र प्रधान

हम ज्ञान और दक्षता का एक सुपर हाईवे बना रहे हैं - श्री धर्मेंद्र प्रधान

एआईसीटीई, एनएसडीसी और बजाज फिनसर्व ने बैंकिंग, वित्त और बीमा में सर्टिफिकेट कार्यक्रम शुरू करने के लिए हाथ मिलाया है

इस भागीदारी के अंतर्गत युवाओं का कौशलीकरण ओडिशा के 10 जिलों में शुरू होने वाले है, जिसमें छात्रों को बजाज फिनसर्व और कुशल भारत द्वारा मान्यता प्राप्त संयुक्त प्रमाण-पत्र प्राप्त होगा।

नई दिल्ली
12 दिसंबर 2023

एनएसडीसी और बजाज फिनसर्व और एआईसीटीई और बजाज फिनसर्व ने केंद्रीय शिक्षा तथा कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान; श्री अतुल कुमार तिवारी, सचिव, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय; प्रोफेसर राजीव कुमार, सदस्य सचिव, एआईसीटीई; वेद मणि तिवारी, सीईओ, एनएसडीसी और एमडी, एनएसडीसी इंटरनेशनल और संजीव बजाज, अध्यक्ष और एमडी, बजाज फिनसर्व, की गरिमामय उपस्थिति में दो समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया। इस समारोह में कुरुश ईरानी, अध्यक्ष समूह - सीएसआर और पल्लवी गांधीकर, राष्ट्रीय प्रमुख - सीएसआर, बजाज फिनसर्व भी उपस्थित थे।

देश में कौशल इकोसिस्टम के प्रमुख वास्तुकार, एआईसीटीई, (उच्च शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में) और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) (कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के तत्वावधान में), ने आज युवा स्नातकों को वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों के लिए तैयार करने हेतु भारत के अग्रणी और सबसे विविध वित्तीय-सेवा समूहों में से एक, बजाज फिनसर्व लिमिटेड के साथ भागीदारी की है।

इस अवसर पर वक्तव्य देते हुए श्री धर्मेंद्र प्रधान ने वित्तीय सेवा क्षेत्र में रोजगार के अवसरों के लिए युवा स्नातकों को तैयार करने और बैंकिंग, वित्त तथा बीमा में एक प्रमाण-पत्र कार्यक्रम के शुभारंभ के लिए बजाज फिनसर्व के साथ एनएसडीसी और एआईसीटीई के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने पर हर्ष व्यक्त किया। इसके अलावा, उन्होंने कहा, आज बनी भागीदारियां वित्तीय क्षेत्र में बड़े पैमाने पर दक्षताओं का निर्माण करेंगी और हमारे युवाओं को वित्तीय और डिजिटल क्षेत्र में हो रहे परिवर्तन में भाग लेने के लिए सशक्त बनाएंगी। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रधानमंत्री का विकसित भारत का दृष्टिकोण, कल

प्रारम्भ किया गया वॉयस-ऑफ-यूथ कार्यक्रम विकसित भारत के लिए युवाओं के विचारों, कौशल विकास की भूमिका और विकसित भारत के निर्माण में वित्तीय क्षेत्र को उजागर करता है। श्री प्रधान ने इस बात पर जोर दिया कि हमारे युवा ज्ञान, दक्षता, कौशल और सही दृष्टिकोण से संचालित विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि हम ज्ञान और दक्षता का एक सुपर हाईवे बना रहे हैं और भारत वैश्विक वित्तीय सेवा बाजार का केंद्र बन सकता है।

एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रोफेसर टी.जी. सीतारम ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि, बजाज फिनसर्व के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से शिक्षा और उद्योग-अकादमिक संबंधों में नए सहयोग की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि यह वित्त, बैंकिंग और बीमा क्षेत्र में छात्रों के लिए शिक्षा, शिक्षुता और जॉब प्रशिक्षण के विशाल अवसर प्रदान करके उद्योग और शिक्षा जगत के बीच अंतर को पाटने के एआईसीटीई के दृष्टिकोण को सुदृढ़ करेगा।

एनएसडीसी के सीईओ और एनएसडीसी इंटरनेशनल के एमडी वेद मणि तिवारी ने कहा, भारत के वित्तीय क्षेत्र में हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण वृद्धि और विकास देखा गया है। उन्होंने कहा, एनएसडीसी में, हमारा समर्पण कौशल विकास पहल के माध्यम से विविध अवसर प्रदान करके युवाओं को सशक्त बनाने में निहित है, और बजाज फिनसर्व के साथ भागीदारी उद्योग के वित्तीय क्षेत्र में बदलाव के साथ हमारे कौशल प्रयासों को संरेखित करने की दिशा में एक कार्यनीतिक कदम है।

बजाज फिनसर्व लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, संजीव बजाज ने कहा कि एनएसडीसी और शिक्षा मंत्रालय के साथ भागीदारी से हमें युवाओं को कौशल तक अधिक पहुंच प्रदान करके बदलाव लाने में मदद मिलेगी, जिससे सफलता की अनंत संभावनाएं खुलेंगी। उन्होंने कहा कि यह कौशल भारत, कुशल भारत की थीम के अनुरूप, भावी आर्थिक लचीलापन और एक समावेशी कार्यबल का निर्माण भी करेगा।

इस भागीदारी के अंतर्गत, बजाज फिनसर्व बैंकिंग, वित्त और बीमा (सीपीबीएफआई) में अपने प्रमाण-पत्र कार्यक्रम के माध्यम से 20,000 उम्मीदवारों की क्षमता-निर्माण करने के लिए कौशल पहल को आगे बढ़ाएगा, जो उद्योग विशेषज्ञों, प्रशिक्षण भागीदारों, शैक्षणिक संस्थानों और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य संस्थान के सहयोग से विकसित 100 घंटे का कार्यक्रम है। सीपीबीएफआई वर्तमान में, 23 राज्यों, 100 जिलों और 160 से अधिक कस्बों में 350 से अधिक कॉलेजों में चलता है। इसका उद्देश्य विशेष रूप से टियर 2 और 3 शहरों में स्नातकों और एमबीए उम्मीदवारों में कौशल, ज्ञान और दृष्टिकोण का पोषण करना है, जिससे उन्हें नियोजनीयता की तलाश करने और वित्तीय सेवा क्षेत्र में अपने दीर्घावधि करियर से संबंधित सही निर्णय लेने में सक्षम बनाया जा सके।

दोनों भागीदारियां गतिशील पाठ्यक्रम विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करती हैं जो वित्त, बैंकिंग और बीमा के लगातार विकसित हो रहे परिदृश्य के अनुकूल है और नवीनतम उद्योग रुझानों, तकनीकी प्रगति और सर्वोत्तम पद्धतियों को पाठ्यक्रम में एक साथ सम्बद्ध करती

है। एनएसडीसी के साथ भागीदारी को कुशल भारत डिजिटल (एसआईडी) पर बढ़ाया जाएगा - सभी सरकार-नीत कौशल और उद्यमशीलता पहलों के लिए व्यापक सूचना गेटवे, यह सुनिश्चित करते हुए कि छात्र न केवल अकादमिक रूप से सुसज्जित हैं बल्कि इन क्षेत्रों की व्यावहारिक वास्तविकताओं में भी सफल होंगे।

छात्रों के लिए अमूल्य अवसरों को बढ़ावा देने के लिए कार्यनीतिक उद्योग के माध्यम से प्रतिष्ठित बैंकों, वित्तीय संस्थानों और बीमा कंपनियों के साथ भागीदारी भी की जाएगी। ये भागीदारियाँ शिक्षुता, ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण और वास्तविक दुनिया की उद्योग पद्धतियों की प्रत्यक्ष झलक प्रदान करती हैं। यह कक्षा में सीखने और उद्योग-मांगों के बीच अंतर को कम करेगा, जिससे पेशेवर रोलों में निर्बाध परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होगा।

डोमेन ज्ञान प्रदान करने के अलावा, सहयोग का उद्देश्य संज्ञानात्मक रूप से तैयार किए गए संचार और कार्यस्थल कौशल के माध्यम से उम्मीदवारों के आत्मविश्वास को बढ़ाना भी है। आज तक, सीपीबीएफआई ने शुरुआत से ही टियर 2 और टियर 3 शहरों के 40,000 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षित और लाभान्वित किया है।

शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में एआईसीटीई ने ओडिशा को प्राथमिकता वाले राज्य के रूप में नामित किया है। परिणामतः युवा कौशल कार्यक्रमों की शुरुआत पहले चरण में ओडिशा के दस जिलों में शुरू होगी जहां छात्रों को बजाज फिनसर्व और कुशल भारत द्वारा मान्यता प्राप्त संयुक्त प्रमाण-पत्र प्राप्त होगा।

*****

एसएस/एके